बिहार में कृषि, परिवहन और उद्योग

कृषि

- बिहार मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान राज्य है जहां के लोगों की जीविका कृषि पर निर्भर है।
- बिहार की मुख्य फसलें **अनाज** हैं।
- **गोपालगंज** और **मधेपुरा**, बिहार के सबसे बड़े कृषि क्षेत्र है।
- बिहार में फसल के **तीन मौसम** हैं।
- **खरीफ फसलें**
- इन्हें **भदई** और **अगहनी** फसल भी कहा जाता है।
- ये **मई-जून** में बोई जाती हैं और **सितंबर-अक्टूबर** में काटी जाती हैं।
- महत्वपूर्ण फसलें – **मक्का, धान** एवं **जूट**।
- **रबी फसलें**
- ये **अक्टूबर-नवंबर** में बोई जाती हैं और **मार्च-अप्रैल** में काटी जाती हैं।
- महत्वपूर्ण फसलें - **गेहूं, चना, सफेद सरसों** और **सरसों**
- **जायद फसलें**
- ये **रबी** एवं **खरीफ** के फसलीय **मौसम के बीच** उत्पादित की जाती हैं।
- महत्वपूर्ण फसलें - **खरबूजा, तरबूज, लौकी** आदि।
- **चावल**
- बिहार की मुख्य अनाज फसल
- दो फसलें उगाई जाती हैं - **औस** (ग्रीष्मकालीन फसल) और **अमान** (शीतकालीन फसल)
- अधिकतम क्षेत्र - **मधुबनी, औरंगाबाद** और **रोहतास**
- अधिकतम उत्पादन - **रोहतास, औरंगाबाद** और **पश्चिमी चंपारण**
- अधिकतम उत्पादकता - **अरवल, रोहतास** और **शेखपुरा**
- **गेहूं**
- इसके लिए सबसे उपयुक्त **बलुई मिट्टी** है जिसमें नमी को बनाए रखने की क्षमता होती है।
- **गंगा दियारा** और **बागमती** मैदान सबसे महत्वपूर्ण हैं।
- अधिकतम क्षेत्र - **रोहतास, पूर्वी चंपारण** और **औरंगाबाद**
- अधिकतम उत्पादन - **रोहतास, काइमूर** और **सिवान**
- अधिकतम उत्पादकता - **जहानाबाद, पटना** और **गया**
- **मक्का**
- मक्का के लिए **हल्की चिकनी मिट्टी** जैसे: **बाल सुंदरी मिट्टी** सर्वश्रेष्ठ है
- अधिकतम क्षेत्र - **खगडिया**
- अधिकतम उत्पादन - **कटिहार, मधेपुरा** और **खगडिया**
- अधिकतम उत्पादकता - **कटिहार**
- **जूट**

- जूट उत्पादन में बिहार, पश्चिम बंगाल के बाद **दूसरे** स्थान पर है।
- इसमें भारी मात्रा में वर्षा के साथ जलोढ़ मिट्टी की आवश्यकता होती है।
- जूट उत्पादन के प्रमुख जिले - **किशनगंज** और **पूर्णिया हैं**
- **दलहन**
- **अरहर, चना, उड़द, मसूर, मूंग** और **खेसरी का उत्पादन किया** जाता है।
- अधिकतम क्षेत्र - **पटना, औरंगाबाद** और **मुजफ्फरपुर**
- अधिकतम उत्पादन - **पटना, औरंगाबाद** और **नालंदा**
- अधिकतम उत्पादकता - **काइमूर**
- बिहार को अपने लीची और आम के उत्पादन के लिए जाना जाता है।
- **मुजफ्फरपुर की लीची** पूरे भारत में प्रसिद्ध है।

सिंचाई

- बिहार की सिंचाई क्षमता बहुत उच्च है लेकिन उपयोग बहुत निम्न है।
- समुचित सिंचाई, कृषि उत्पादन में वृद्धि करने में सहायता करती है, जिससे लोगों की जिंदगी बेहतर होती है।
- बिहार में पर्याप्त मात्रा में वर्षा भी होती है।
- हालांकि, विभिन्न जिलों में सिंचाई सुविधाओं और वर्षा दोनों का वितरण अनियमित है।
- **नहरों** द्वारा 37% भाग की सिंचाई की जाती है और **ट्यूबवेल** द्वारा 30% भागों की सिंचाई की जाती है जबकि **कुओं और तालाबों** द्वारा 30% भाग की सिंचाई की जाती है।
- नहरों द्वारा सिंचाई किए जाने वाला लगभग **3/4 क्षेत्र** दक्षिण बिहार में है।
- **सोन नहर**
- **पूर्वी सोन नहर**, **बरून** से होते हुए- **पटना, जहानाबाद, औरंगाबाद** और **गया** को सिंचित करती है।
- **पश्चिमी सोन नहर**, **तिहरी** से होते हुए- **आरा, बक्सर** और **रोहतास** को सिंचित करती है।
- **कोसी नहर**
- **हनुमान नगर जलाशय** से **दो** नहरें निकाली गईं।
- **पूर्वी कोसी नहर** – जो **पूर्णिया, मधेपुरा** और **सहरसा** क्षेत्र को सिंचित करती है।
- **पश्चिमी कोसी नहर** – जो **दरभंगा** जिले के कृषि क्षेत्र को सिंचित करती है।
- **गण्डक नहर**
- **वाल्मीकि नगर में बांध** से **दो** नहरें निकाली गईं।
- **सरन नहर** - सरन, गोपालगंज और सिवान को सिंचित करती है।
- **तिरहुत नहर** - **मुजफ्फरपुर, वैशाली** और **पूर्वी चंपारण** को सिंचित करती है।
- **त्रिवेणी नहर**
- यह त्रिवेणी में **गंडक नदी** से निकाली गई है।
- यह **पश्चिम चंपारण** जिले के कृषि क्षेत्र को सिंचित करती है।

- **कमला नहर**
- यह **दरभंगा** में **कमला नदी** से निकाली गई है।
- यह मुख्य रूप से **मधुबनी** जिले के कृषि क्षेत्र को सिंचित करती है।

सड़कमार्ग

- सड़क मार्ग, लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले यातायात का सबसे आम साधन है।
- पर्याप्त सड़कों के बिना लोगों के विकास का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता।
- **प्रति लाख आबादी** के संदर्भ में **सड़क की लंबाई**, 358 कि.मी. के राष्ट्रीय औसत की तुलना में **200 कि.मी.** से कुछ अधिक है।
- हालांकि, प्रति **100 वर्ग किलोमीटर पर 210 किलोमीटर** के सड़क घनत्व के मामले में, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़कर अन्य राज्यों से काफी बेहतर है।
- राष्ट्रीय राजमार्गों (NH) की कुल लंबाई **4595 कि.मी.** है।
- बिहार में सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग **NH-31** है जिसका **393 कि.मी.** भाग बिहार में है।
- **पूर्व-पश्चिम गलियारा**
- यह **पोरबंदर को सिलचर** से जोड़ता है।
- यह **10 जिलों** से होकर गुजरता है।
- **किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण** और **गोपालगंज**
- यह बिहार में **गंडक नदी** से गुजरता है।
- इसमें **NH-27** भी शामिल है।
- **स्वर्णिम चतुर्भुज**
- यह **4 जिलों** से होकर गुजरता है।
- **काइमूर, रोहतास, औरंगाबाद** और **गया**
- यह बिहार में **सोन नदी** को पार करता है।
- इसमें **NH-2** शामिल है जो **दिल्ली को कोलकाता** से जोड़ता है।
- **प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग:**
- **NH -19** - छपरा से पटना
- **NH -57 -** मुजफ्फरपुर से पूर्णिया
- **NH -82** - गया से मोकामा
- **NH -85** - छपरा से गोपालगंज
- **NH -98** - पटना से राजहारा। पटना एम्स, इसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर है।
- **प्रमुख सड़क पुल:**
- पटना में गंगा नदी पर **महात्मा गांधी सेतु**
- भागलपुर में गंगा नदी पर **विक्रमशिला सेतु**
- **प्रमुख रेल-सड़क पुल:**

- मोकामा में गंगा नदी पर **राजेंद्र सेतु**
- देहरी-ई-कोह में सोन नदी पर **नेहरू सेतु**
- कोइलवर और भोजपुर को जोड़ने वाला, सोन नदी पर बना **'अब्दुल बारी पुल'**
- पटना और सोनपुर को जोड़ने वाला, गंगा नदी पर बना **'गंगा रेल सड़क पुल'**

रेलवे

- **वर्ष 1860-62** में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बिहार में रेलवे का विकास बहुत पहले आरंभ कर दिया गया था।
- बिहार में तीन रेलवे लाइन हैं
- **उत्तर-पूर्वी रेलवे** - उत्तर बिहार
- **पूर्व मध्य रेलवे** - दक्षिण बिहार
- **उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे** - उत्तर-पूर्व बिहार
- पूर्व मध्य रेलवे का मुख्यालय बिहार के वैशाली जिले के **हाजीपुर** में स्थित है।

वायुमार्ग

- बिहार में दो अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे हैं।
- **जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना**
- **गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** - इसे मुख्य रूप से गया में बौद्ध पर्यटन के लिए विकसित किया गया था।

जलमार्ग

- जलमार्ग, परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।
- यह पर्यावरण के अनुकूल एवं ईंधन कुशल है।
- **राष्ट्रीय जलमार्ग-1** जो **इलाहाबाद को हल्दिया** से जोड़ता है, बिहार से होकर गुजरता है।
- **'बिहार स्टीमर सर्विस'** भागलपुर के **बरारी घाट** में उपलब्ध है।
- **आरा नहर** का प्रयोग भी नौपरिवहन के उद्देश्य से किया जाता है।

उद्योग

- अधिकांश उद्योग कृषि आधारित हैं।
- वर्ष 1840 में **डच** द्वारा पहली **चीनी विनिर्माण कंपनी** स्थापित की गई थी।
- **बिहार राज्य दूध सहकारी संघ** (COMFED)
- इसे **वर्ष 1983** में स्थापित किया गया था।
- **सी.ओ.एम.एफ.ई.डी** (COMFED)द्वारा **शुद्ध** ब्रांड का विक्रय किया जाता है।
- बिहार में **चाय उद्योग** अधिकतम मात्रा में **किशनगंज** जिले में है।

- **भागलपुर** क्षेत्र में **रेशम उद्योग** भारी मात्रा में देखने को मिलता है।
- **पूर्णिया** जिले के **मरांगा** में **जूट पार्क** की स्थापना की जा रही है।
- **चमड़ा उद्योग**, **मुजफ्फरपुर** और **मोकामा** में संकेंद्रित है। केवल कुछ ही कार्यरत उद्योगों के कारण, अधिकांश कच्चा माल कोलकाता, कानपुर और चेन्नई से आता है।
- **बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण** (BIADA)
- इसे बिहार में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए बी.आई.ए.डी **अधिनियम 1974** के तहत स्थापित किया गया था।
- **इसके पटना, दरभंगा, मुजफ्फरपुर** और **भागलपुर** में 4 क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
- **भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड**
- यह **मोकामा** में स्थित एक **पी.एस.यू** है।
- यह कंपनी रेल के डिब्बों का निर्माण करती है।
- **बरौनी रिफाइनरी**
- यह **बेगूसराय** में स्थित है।
- इसे **वर्ष 1964** में **यू.एस.एस.आर** की सहायता से स्थापित किया गया था।
- यह **इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन** के स्वामित्व में है।
- यहां **असम** के **नुमालीगढ़** तेल-क्षेत्र से तेल आता है।

बिहार में प्रमुख औद्योगिक स्थान

- **मोकामा** - चमड़ा, रेल के डिब्बे
- **दीघा-** चमड़ा, बियर
- **बिहटा** – चीनी
- **पटना** - पटाखे, सूती वस्त्र
- **भागलपुर** – तुस्सार रेशम
- **मुंगेर** - बंदूक, सिगरेट
- **गया**- चीनी, लाख, सूती वस्त्र, चमड़ा
- **डुमरांव** - सूती वस्त्र, लालटेन (Laltern)
- **बिहार शरीफ** - तंबाकू
- **दरभंगा** – कागज़
- **समस्तीपुर** - कागज़ मिल, चीनी
- **कटिहार** - जूट, माचिस
- **डालमियानगर** - सीमेंट
- **हाजीपुर** - प्लाईवुड